

Padma Shri



DR. BHIMSEN SINGHAL

Dr. Bhimsen Singhal is Director of Neurology at the Bombay Hospital Institute of Medical Sciences, Mumbai to this he was prior Head of the Neurology Department at Grant Medical College and JJ Hospital, Mumbai. He is one of the highly respected and eminent neurologists in India who has contributed significantly to the growth of Neurology over the last 60 years.

2. Born on 23rd January, 1933 in Mount Abu, Dr. Singhal received his MBBS in 1956 and MD in 1959 degrees from the Grant Medical College, Mumbai, MRCP from (Edinburgh) in 1960 and MRCP from London in 1961. He was elected Fellow of the Royal College of Physicians Edinburgh in 1973 and of the Royal College of Physicians London in 1985. He is also a Fellow of the American Academy of Neurology and a member of the American Association of Neurology. In recognition of his academic contributions, he was conferred D.Sc (Honoris Causa) in 2015 and D. Litt (Honoris Causa) in 1998.

3. Dr. Singhal has been associated with several national and international neurological organizations. He is a Founder Member of the Indian Academy of Neurology. He has served as the President of the Neurological Society of India (1986), President of the Indian Epilepsy Association (2000-2002), Vice-President of the Asian & Oceanian Association of Neurologists, Regional Director of the World Federation of Neurology for Asian and Oceanian region (2005-09), and Chairman of the Asian Oceanian Section of the Movement Disorder Society (2009-11). He was a member of the Working Group of Parkinson's disease and Multiple Sclerosis of the World Health Organization.

4. Dr. Singhal is known for his clinical skills. Besides teaching and taking care of patients, he has also conducted clinical research, authored several books and scientific articles in national and international journals. He is recognized for his work in demyelinating diseases (multiple sclerosis, neuromyelitis optica) and myasthenia gravis. With international collaboration, he identified the gene defect in megalencephalic leukodystrophy, especially prevalent in the Agarwal community. He established the Neurology Foundation in 1998 and Parkinson's Disease and Movement Disorder Society (PDMDS) in 2001. His vision was to set up free of cost multi-disciplinary care for patients with neurological disorders around the country. Through these organizations, he has impacted the lives of thousands of patients and caregivers who regularly attend free sessions in over 65 support centres of PDMDS across the nation. He has also been organizing the widely acclaimed 'Neurology Update' meetings since 1996, to update the knowledge of neurologists and physicians from all over India and neighbouring countries. During these meetings, world renowned neurologists are invited to interact with the audience.

5. Dr. Singhal has received several prestigious awards for his contributions to medicine and neurology, including the Dr BC Roy National Award (1999), Priyadarshini Academy Award (2004), Wockhardt Award for Medical Excellence in Neurology (2005), Dhanvantari Award (2009) and RD Birla National Award (2013). He has been honored nationally & internationally with two lectureships established in his name: the Singhal Oration given at the annual meeting of the Indian Academy of Neurology and the Singhal Oration at the international conference of the World Federation of Neurology.

पद्म श्री



डॉ. भीमसेन सिंहल

डॉ. भीमसेन सिंहल बॉम्बे हॉस्पिटल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, मुंबई में न्यूरोलॉजी के निदेशक हैं, उससे पहले वे ग्रांट मेडिकल कॉलेज और जेजे अस्पताल, मुंबई में न्यूरोलॉजी विभाग के प्रमुख थे। वह भारत में अत्यधिक सम्मानित और प्रख्यात न्यूरोलॉजिस्ट में से एक हैं जिन्होंने पिछले 60 वर्षों में न्यूरोलॉजी के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

2. 23 जनवरी, 1933 को माउंट आबू में जन्मे, डॉ. सिंहल ने वर्ष 1956 में ग्रांट मेडिकल कॉलेज, मुंबई से एमबीबीएस और वर्ष 1959 में एमडी, वर्ष 1960 में (एडिनबर्ग) से एमआरसीपी और वर्ष 1961 में लंदन से एमआरसीपी किया। वे वर्ष 1973 में रॉयल कॉलेज ऑफ फिजिशियन एडिनबर्ग और वर्ष 1985 में रॉयल कॉलेज ऑफ फिजिशियन लंदन के फेलो चुने गए। वह अमेरिकन एकेडमी ऑफ न्यूरोलॉजी के फेलो और अमेरिकन एसोसिएशन ऑफ न्यूरोलॉजी के सदस्य भी हैं। उनके अकादमिक योगदान को सम्मानित करते हुए, उन्हें वर्ष 2015 में डी.एससी (मानद) और वर्ष 1998 में डी. लिट (मानद) से सम्मानित किया गया था।

3. डॉ सिंहल कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय न्यूरोलॉजिकल संगठनों से जुड़े रहे हैं। वह इंडियन एकेडमी ऑफ न्यूरोलॉजी के संस्थापक सदस्य हैं। उन्होंने न्यूरोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष (वर्ष 1986), इंडियन एपिलेप्सी एसोसिएशन के अध्यक्ष (वर्ष 2000–2002), एशियन एंड ओशनियन एसोसिएशन ऑफ न्यूरोलॉजिस्ट के उपाध्यक्ष, वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ न्यूरोलॉजी फॉर एशियन एंड ओशनियन रीजन के क्षेत्रीय निदेशक (वर्ष 2005–09) और मूवमेंट डिसऑर्डर सोसाइटी के एशियन ओशनियन सेक्शन के अध्यक्ष (वर्ष 2009–11) के रूप में सेवाएँ दी हैं। वह विश्व स्वास्थ्य संगठन के 'पार्किंसंस रोग और मल्टीपल स्केलेरोसिस' के कार्यकारी समूह के सदस्य थे।

4. डॉ सिंहल अपने नैदानिक कौशल के लिए जाने जाते हैं। अध्यापन करने और रोगियों देखभाल करने के अलावा, उन्होंने नैदानिक अनुसंधान भी किया है, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में कई किताबें और वैज्ञानिक लेख लिखे हैं। उन्हें डिमाइलेटिंग रोगों (मल्टीपल स्केलेरोसिस, न्यूरोमाइलाइटिस ऑप्टिका) और मायस्थेनिया ग्रेविस पर उनके काम के लिए पहचाना जाता है। अंतरराष्ट्रीय सहयोग से, उन्होंने मेगालेंसफैलिक ल्यूकोडिस्ट्रॉफी में जीन दोष की पहचान की, जो विशेष रूप से अग्रवाल समुदाय में पाया जाता है। उन्होंने वर्ष 1998 में न्यूरोलॉजी फाउंडेशन और वर्ष 2001 में पार्किंसंस डिजीज एंड मूवमेंट डिसऑर्डर सोसाइटी (पीडीएमडीएस) की स्थापना की। उनका विजन देश भर में न्यूरोलॉजिकल विकारों वाले रोगियों के लिए मुफ्त बहु-विषयक संगठन स्थापित करना था। इन संगठनों के माध्यम से, उन्होंने उन हजारों रोगियों और देखभाल करने वालों के जीवन को प्रभावित किया है, जो नियमित रूप से देश भर में पीडीएमडीएस के 65 से अधिक सहायता केंद्रों में मुफ्त सत्रों में भाग लेते हैं। वह पूरे भारत और पड़ोसी देशों के न्यूरोलॉजिस्ट और फिजिशियनों का ज्ञानवर्धन के लिए वर्ष 1996 से व्यापक रूप से प्रतिष्ठित 'न्यूरोलॉजी अपडेट' मीटिंग्स भी आयोजित करते रहे हैं। इन बैठकों के दौरान, विश्व प्रसिद्ध न्यूरोलॉजिस्ट दर्शकों के साथ बातचीत करने के लिए आमंत्रित किए जाते हैं।

5. डॉ. सिंहल को चिकित्सा और तंत्रिका विज्ञान में उनके योगदान के लिए कई प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त हुए हैं, जिनमें डॉ बीसी रॉय राष्ट्रीय पुरस्कार (वर्ष 1999), प्रियदर्शिनी अकादमी पुरस्कार (वर्ष 2004), न्यूरोलॉजी में चिकित्सा उत्कृष्टता के लिए वॉकहार्ट पुरस्कार (वर्ष 2005), धन्वंतरी पुरस्कार (2009) और आरडी बिड़ला राष्ट्रीय पुरस्कार (वर्ष 2013) शामिल हैं। उनके नाम पर स्थापित दो व्याख्यानों: 'इंडियन एकेडमी ऑफ न्यूरोलॉजी की वार्षिक बैठक में दिया गया सिंघल व्याख्यान' और 'वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ न्यूरोलॉजी के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में दिया गया सिंघल व्याख्यान' के साथ उन्हें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया है।